

ललित कलास्वरूपिणी

रागम्: यमन्कल्याण्; ताळम्: आदि
रचियता: तन्नाम् परमेश्वरन्

पल्लवि

ललित कला स्वरूपिणी पाहिमाम् सरस्वती
लय ताळ स्वर राग विहारिणी

अनुपल्लवि

विद्यासिद्धि प्रदायिनी
वागदीश्वरी वीणाधारिणी

चरणम्

ब्रह्म देव मनोल्लासिनी
ब्रमाण्ड श्रुष्टि परिपालिनी
संस्कार साहित्य माधुर्य निलये
संसार सागरे मार्ग बन्धो

श्वेत पंकज मध्य स्थिते
शशिवदने शान्ताकारिणी